दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार, 07 मई 2022 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-04, अंक- 218

ताप बिजली संयंत्रों में घरेलू कोयले के साथ उपयोग किये जाने के लिये कोयले के आयात की स्थिति पर राज्यों के साथ समीक्षा की गई

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्रीय विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह ने ताप बिजली घरों के लिये कोयले के आयात की स्थिति पर राज्यों के साथ समीक्षा की। बिजली सचिव आलोक कुमार, राज्य सरकारों और बिजली कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारी बैठक में उपस्थित थे। यह बैठक कल वर्चुअल माध्यम से आयोजित की गई थी। सिंह ने बिजली की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये घरेलू कोयला आपूर्ति की अड़चनों को ध्यान में रखते हुये ताप बिजली संयंत्रों के लिये कोयले के आयात के महत्त्व को रेखांकित किया, ताकि आयातित कोयले को घरेलू कोयले के साथ उपयोग किया जा सके। ऐसा करने से मई 2022 में ही बिजली संयंत्रों को अतिरिक्त कोयला मिल जायेगा। उन्होंने कहा कि कोयला कंपनियों द्वारा प्राप्त कोयले के अनुपातानुसार सभी बिजली कंपनियों को घरेलू कोयले की आपूर्ति की जायेगी।

सिंह ने राज्यों को सलाह दी कि वे कोयले की अपनी आवश्यकता पूरी करने के लिये कंपनियों के स्वामित्व वाली खानों से कोयले की आपूर्ति बढ़ायें। इससे कोयले की आवश्यकता पर पडऩे वाला बोझ कम होगा। उन्होंने जोर दिया कि राज्यों को बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये कार्रवाई करनी चाहिये, जिसके लिये आरसीआर का उपयोग किया जाये, ताकि उनके यहां बिजली संयंत्रों में कोयले की कमी को पूरा किया जा सके। इस स्थिति में अगर राज्य आरसीआर कोयला नहीं उठायेंगे, तो उसे अन्य राज्यों को आबंटित कर दिया जायेगा। तब सम्बंधित राज्य कमी के लिये खुद जिम्मेदार होगा, जिसके कारण उक्त राज्य में बिजली की कटौती होने लगेगी।

बैठक में सीईए द्वारा पेश किये गये आंकड़ों से स्पष्ट हुआ कि तमिलनाडु और महाराष्ट्र ने कोयले के आयात के लिये आर्डर दे दिया है, जबकि पंजाब और गुजरात अपनी संविदाओं को अंतिम रूप देने के चरण में हैं। इनके अलावा अन्य राज्यों को कोयले के आयात के लिये अतिरिक्त प्रयास करने की जरूरत है, ताकि उस कोयले को घरेलू कोयले के साथ मिलाकर बिजली संयंत्रों में इस्तेमाल किया जा सके। राजस्थान और मध्यप्रदेश संविदायें जारी करने की प्रक्रिया में हैं, वहीं हरियाणा, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और झारखंड ने न तो कोई संविदा जारी की है और न कोयले के आयात के लिये कोई अहम पहल की है। इन राज्यों को सलाह दी गई कि वे अपने बिजली संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक कार्रवाई करें।

आरसीआर की स्थिति पर भी चर्चा की गई। इस दौरान देखा गया कि आंध्रप्रदेश, कर्नाटक, मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, हरियाणा और उत्तरप्रदेश द्वारा आबंटित कोयले का उठान संतोषजनक नहीं है। इन राज्यों को सलाह दी गई वे फौरन कोयला उठा लें, वरना आरसीआर कोयला किसी अन्य बिजली कंपनी को आंबटित कर दिया जायेगा, जिन्हें उस कोयले की जरूरत होगी।

13 पावर प्लांट्स को दिया जरूरत का 10 फीसदी कोयला आयात करने का निर्देश

देश में मौजूदा बिजली संकट को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने एक साथ कई तरह की रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। इसी के तहत केंद्र सरकार ने 13 आयातित कोयला आधारित पावर प्लांट्स कंपनियों को चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में ऊर्जा मंत्रालय ने उनकी जरूरत का कम से कम 10 फीसदी कोयला आयात करने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने अपनी चिट्ठी में साफ तौर पर लिखा है कि मौजूदा समय में बिजली की मांग 20 फीसदी तक बढ़ी है और घरेलू कोयले की पूर्ति को बढ़ाया भी गया है। लेकिन मौजूदा मांग को पूरा करने के लिए वह पर्याप्त नहीं है। मंत्रालय ने पावर जनरेशन कंपनियों को लिखी चिट्ठी में इस बात की आशंका जताई है कि आने वाले वक्त में हालात बहुत गंभीर हो सकते हैं। ऊर्जा मंत्रालय की तरफ से पहली बार कोयला संकट को लेकर ये चेतावनी जारी की गई है। मंत्रालय की तरफ से इन कंपनियों के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। इन कंपनियों में आयातित कोयले से बिजली बनाने वाली अदानी समूह और टाटा समूह की बड़ी कंपनियां भी शामिल हैं। केंद्र सरकार ने बिजली अधिनियम की धारा 11 को लागू कर दिया है। सूत्रों के हवाले से इसकी जानकारी दी गई है। इसके लागू होने का मतलब ये है कि सभी आयातित कोयले से चलने वाले प्लांट्स को अब पूरी क्षमता के साथ ऊर्जा पैदा करनी होगी। इस आदेश को देर रात गुरुवार को जारी किया गया। इसे ऐसे समय पर लागू किया गया है, जब गर्मियों के महीने में बिजली की मांग 220 गीगावाट तक पहुंच गई है।

महत्वपूर्ण एवं खास

चंडीगढ़ से मुंबई जा रहे विमान की इमरजेंसी लैंडिंग, यात्री की अचानक बिगड़ी थी तबीयत

जयपुर (आरएनएस)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में स्थित एयरपोर्ट पर विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई है। चंडीगढ़ से मुंबई जा रहे विमान को जयपुर एयरपोर्ट पर मेडिकल इमरजेंसी के बाद उतारा गया है। बताया जा रहा है कि इंडिगो की फ्लाइट संख्या 6ई-5283 आज सुबह 6 बजकर 15 मिनट पर चंडीगढ़ से रवाना हुई थी। इंडिगो की फ्लाइट चंडीगढ़ से मुंबई जा रही थी, तभी बीच में ही शुभम नाम के युवक की तबीयत बिगड़ गई। सुबह 7.10 बजे विमान जयपुर एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरा। तुरंत ही एयरपोर्ट से एम्बुलेंस की जरिए यात्री को ईएचसीसी अस्पताल रेफर किया गया। फिलहाल अस्पताल में युवक का इलाज चल रहा है और विमान के सभी यात्री सुरक्षित हैं।

उप्र में विधवा पर तेजाब फेंकने वाला आरोपी गिरफ्तार

कानपुर (आरएनएस)। कानपुर पुलिस ने बिधनू के तुलसीपुर में 35 वर्षीय विधवा पर तेजाब फेंकने वाले अजय कुमार नाम के एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी अपने मृतक दोस्त की पत्नी पर उससे शादी करने का दबाव बना रहा था और जब उसने शादी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया तो उसने उस पर तेजाब से हमला कर दिया। महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी बिधनू अमित मिश्रा ने बताया कि मामला दर्ज कर आरोपितों के लिए छापेमारी की जा रही है। उन्होंने कहा, विशिष्ट इनपुट के आधार पर गुरुवार की देर रात आरोपी अजय को उसके ठिकाने से पकड़ लिया गया।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ केदारनाथ धाम के कपाट खुले, 15 क्विंटल फूलों से सजा मंदिर

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ केदारनाथ धाम के कपाट खुल गए हैं। कपाट को खोले जाने के कार्यक्रम में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने भी हिस्सा लिया। चार धाम यात्रा के मौके पर केदारनाथ मंदिर को 15 क्विंटल फूलों से सजाया गया। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के दौरान 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु मौजूद रहे। केदारनाथ धाम के कपाट शुभ मुहूर्त में शुक्रवार को सुबह 6 बजकर 26 मिनट पर खोले गए। अब 6 महीने तक बाबा के भक्त केदार धाम में उनके दर्शन और पूजा-अर्चना कर पाएंगे। इससे पहले गुरुवार को भगवान केदारनाथ की पंचमुखी डोली भक्तों के जयकारों के साथ धाम पहुंच गई थी। यहां बाबा की डोली को मंदिर के पास विराजमान किया गया। कपाट खुलने के बाद बाबा की पंचमुखी मूर्ति केदार मंदिर में विराजमान हुई। विधिविधान और धार्मिक परंपराओं के साथ बाबा केदारनाथ के कपाट खोले दिए गए हैं। वहीं पहली पूजा पीएम नरेंद्र मोदी के नाम से की गई। वहीं सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी पूजा-अर्चना कर बाबा केदार का आशीर्वाद लिया। बाबा केदार की उत्सव डोली को मुख्य पुजारी केदार लिंग द्वारा भोज लगाया गया और पूजा की गई। इसके बाद डोली को सजाया गया। केदारनाथ रावल भीमाशंकर लिंग, वेदपाठियों, पुजारियों, हक्क हकूकधारियों की मौजूदगी में कपाट पर वैदिक परंपराओं के अनुसार मंत्रौच्चारण किया गया और शुभ मुहूर्त पर कपाट खोले गए और डोली को मंदिर में प्रवेश कराया गया। इस दौरान केदारनाथ धाम के रावल भीमाशंकर लिंग और सीएम पुष्कर सिंह धामी समेत बीकेटीसी के सदस्य भी मौजूद रहे।

भाजपा नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को पंजाब पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (आरएनएस)। भाजपा नेता तेजिंदर पाल सिंह बग्गा को पंजाब पुलिस ने पश्चिमी दिल्ली स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस ने उसे गिरफ्तार करने से पहले जनकपुरी थाने में संकेत दिया था। जानकारी के मुताबिक, मोहाली पुलिस ने तेजिंदर के खिलाफ साइबर सेल में मामला दर्ज किया था, इसी मामले में अब गिरफ्तारी हुई है। मामले पर अब राजनीति भी तेज हो गई है। बीजेपी नेताओं ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान सरकार पर निशाने साधे है। बीजेपी नेता कपिल मिश्रा ने दावा किया है कि तेजिंदर बग्गा को पंजाब पुलिस के 50 जवान घर से अरेस्ट करके ले गए हैं।

अवैध खनन मामला : आईएएस पूजा सिंघल के घर समेत कई ठिकानों पर ईडी ने की छापेमारी

रांची (आरएनएस)। अवैध खनन के मामले में ईडी की टीम बड़ी कार्रवाई कर रही है। ईडी ने आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के 20 ठिकानों पर छापेमारी जारी है। जानकारी के अनुसार, आईएएस पूजा के रांची के अलावा मुजफ्फपुर (बिहार) के ठिकानों पर भी ईडी छापेमारी कर रही है। रांची में पंचवटी रेसीडेंसी, ब्लॉक नंबर 9, चांदनी चौक हरिओम टावर, नई बिल्डिंग, लालपुर और पल्स हॉस्पिटल पर छापा पड़ा है। हालांकि इसकी आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि नहीं हो पायी है।

शुक्रवार की सुबह ईडी की टीम झारखंड, बिहार, राजस्थान हरियाणा और एनसीआर के 18 जगहों पर एक साथ छापेमारी शुरू की है। रांची में आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल के सरकारी आवास और उनके पति के आवास सहित कई जगह पर ईडी की रेड जारी है। व्यवसायी अमित अग्रवाल के भी कई ठिकानों पर छापेमारी हो रही है। ईडी की टीम दिल्ली से आयी है। हालांकि इस छापेमारी की कोई आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं हो पाई है।

ईडी के सूत्रों ने बताया कि झारखंड के रांची, खूंटी, राजस्थान के जयपुर, हरियाणा के फरीदाबाद एवं गुरुग्राम, पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता और बिहार के मुजफ्फरपुर में छापेमारी की गई है। वहीं ईडी रेड को लेकर सांसद निशिकांत दुबे ने ट्वीट भी किया है।

औषध विभाग ने अकादमिक संस्थानों के लिए औषध नवाचार और उद्यमिता पर सामान्य दिशा-निर्देश जारी किया

नई दिल्ली (आरएनएस)। औषध विभाग की सोच भारतीय फार्मा क्षेत्र को गुणवत्तापूर्ण दवाओं के लिए वैश्विक नेता के रूप में बढ़ावा देना और देश में दवाओं व चिकित्सा उपकरणों की उपलब्धता, पहुंच तथा वहनीयता को सुनिश्चित करना है। इस सोच को प्राप्त करने के उपायों में से एक अनुसंधान व विकास और नवाचार पर ध्यान केंद्रित करना भी है। इसे प्राप्त करने के लिए विभाग ने कई अन्य उपायों के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने और हाई-एंड अनुसंधान के लिए पूरे देश में राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों के रूप में सात राष्ट्रीय औषधीय शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (नाईपर) की स्थापना की है।

हाल ही में नाईपर ने उद्योग और शोधकर्ताओं के लिए एक सामान्य (कॉमन) अनुसंधान पोर्टल लॉन्च किया है। इसके अलावा संस्थान ने राष्ट्रीय जरूरतों और अपनी विशेषज्ञता व सुविधाओं के आधार पर एक सामान्य अनुसंधान कार्यक्रम भी तैयार किया है। वहीं, विभाग जल्द ही भारत में फार्मा-मेडटेक (चिकित्सा प्रौद्योगिकी) क्षेत्र में अनुसंधान व विकास और नवाचार को उत्प्रेरित करने की नीति भी लेकर आ रहा है।

औषध विभाग ने नवाचार व अनुसंधान को प्रोत्साहित करने और नाईपर में उद्यमिता को सुविधाजनक बनाने के लिए राष्ट्रीय नवाचार और स्टार्टअप नीति 2019, राष्ट्रीय आईपीआर नीति 2016 और अन्य संस्थानों/विभागों की इसी तरह की नीतियों पर विचार करने के बाद अपने नियंत्रण के अधीन शैक्षणिक संस्थानों के लिए औषध नवाचार और उद्यमिता पर एक सामान्य दिशा-निर्देश को तैयार किया है। इस नीति का उद्देश्य अकादमिक अनुसंधान को अभिनव व व्यावसायिक रूप से अनुकूल प्रौद्योगिकियों/उत्पादों में रूपांतरित करना, रचनात्मकता व उद्यमशीलता की गतिविधियों के पोषण के लिए मजबूत वातावरण का निर्माण और आत्मनिर्भर भारत मिशन में अपना योगदान करना है।

नीति दिशा-निर्देशों का उद्देश्य है:

- ❖ उद्यमिता को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षकों/कर्मचारियों और छात्रों को प्रोत्साहित करना
- ❖ नीतियों को तैयार करना और सभी विषयों में विचारों को उत्पन्न करने के लिए एक इकोसिस्टम को प्रोत्साहन देना, जिसे सफल प्रौद्योगिकियों, उत्पादों और सेवाओं में रूपांतरित किया जा सके
- ❖ प्रौद्योगिकी विकास और तकनीक हस्तांतरण के लिए एक तंत्र स्थापित करना
- ❖ इस नीति के प्रभावी कार्यान्वयन, निगरानी और मूल्यांकन के लिए संस्थागत ढांचा तैयार करना, और
- ❖ लोगों को लाभ पहुंचाने वाली अपूर्ण चिकित्सीय और सामाजिक रूप से प्रभावशाली प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए औषध नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देना

अलवर में सांप्रदायिक हिंसा, मंदिर तोड़े जाने के खिलाफ बीजेपी ने की हुंकार रैली

जयपुर (आरएनएस)। भाजपा द्वारा अलवर में आयोजित हुंकार रैली में पार्टी नेताओं ने राजस्थान में कांग्रेस सरकार पर सांप्रदायिक हिंसा, मंदिर विध्वंस, किसानों की कर्जमाफी, कानून- व्यवस्था, बिजली कटौती, बेरोजगारी भत्ता, लंबित भर्तियां आदि समेत कई मुद्दों पर हमला बोला। अलवर जिले के 11 विधानसभा क्षेत्रों से भारी भीड़ ने रैली में भाग लिया, जिसने हाल ही में करौली और जोधपुर में सांप्रदायिक हिंसा के मामलों के साथ-साथ राजगढ़ में मंदिर विध्वंस के खिलाफ आवाज उठाई।

रैली को संबोधित करते हुए बीजेपी की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा कि 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सत्ता से बेदखल हो जाएगी।

पूनिया ने कहा, कांग्रेस को हटाने की मांग करने वाले नारों की आवाज दिल्ली तक पहुंच गई है, जिससे सोनिया गांधी की धडक़न बढ़ गई है।

पूनिया ने कहा, एक सरकार कैसे चलाई जाती है, यह जानने के लिए युद्धग्रस्त यूक्रेन में हमारे छात्रों के अनुभव का उदाहरण लें। यूक्रेन से लौटने पर एक छात्र ने कहा कि फायरिंग बंद हो गई, उन्होंने उनके साथ तिरंगा देखा। यह हमारा सौभाग्य है कि नरेंद्र मोदी की सरकार केंद्र में है।

उन्होंने राज्य में कांग्रेस सरकार पर आगे हमला करते हुए कहा, 2018 में जब से कांग्रेस राज्य में सत्ता में आई है, लोग जाति, धर्म और राजनीति के नाम पर बंटे हुए हैं। राजस्थान सबसे शांतिपूर्ण राज्य था, लेकिन अब स्थिति बदल रही है.. राज्य की छवि खराब हुई है।

पूनिया ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर कोटा में पीएफआई (पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया) की रैली की अनुमति देने लेकिन राम नवमी और हिंदू नव वर्ष पर जुलूसों पर प्रतिबंध लगाने का भी आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, करौली और जोधपुर में हिंदुओं पर हमले हुए, जबकि पीएफआई राज्य में अपना आधार फैला रही है.. इसके लिए मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के संरक्षण के कारण अलवर अपराधियों का गढ़ बना हुआ है, इसलिए भाजपा ने यहां से अपनी हुंकार रैली शुरू की है।

रैली को संबोधित करते हुए अलवर के सांसद बालकनाथ ने कहा, यह एक मुगल सरकार है जिसे हमें उखाडऩा है। कांग्रेस के डीएनए में मुगल लक्षण हैं, सनातन धर्म नहीं।

उन्होंने कहा, राजस्थान की संस्कृति सद्भाव और प्रेम की है, फिर भी हम सरकार के कार्यों से अपमानित हैं।

मस्जिद में लाउडस्पीकर लगाना मौलिक अधिकार नहीं है : उच्च न्यायालय

प्रयागराज (आरएसएस)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मस्जिदों में अजान के वास्ते लाउडस्पीकर लगाने को संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार की श्रेणी में बताने वाली याचिका को खारिज कर दिया।

उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति विवेक कुमार बिरला और न्यायमूर्ति विकास की खंडपीठ ने कहा कि मस्जिद में लाउडस्पीकर से अज़ान देना संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार की श्रेणी में नहीं आता है। अदालत ने कहा कि अज़ान, इस्लाम का अभिन्न अंग तो है, लेकिन लाउडस्पीकर से अज़ान देना इस्लाम का हिस्सा नहीं है। याचिकाकर्ता इरफान ने बदायूं के उपजिलाधिकारी (एसडीएम) के गत वर्ष तीन दिसंबर को पारित उस आदेश को उच्च न्यायालय में चुनौती देते हुए यह याचिका दायर की थी जिसमें उन्होंने जिले के धोरनपुर गांव में स्थित नूरी मस्जिद में अजान के लिये लाउडस्पीकर लगाने की अनुमति नहीं दी। याचिकाकर्ता ने दलील दी कि एसडीएम के आदेश से उसके मौलिक अधिकारों का हनन होता है इसलिये यह आदेश अवैध है।

हमें सामान्य स्तर से उठकर विश्व के सर्वश्रेष्ठ संस्थानों में से एक बनने की आकांक्षा रखनी चाहिए : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडु ने आज इस बात पर बल दिया कि अर्थव्यवस्था और उद्योग को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालयों को बौद्धिक संपदा अधिकारों के तहत कार्यान्वयन योग्य पेटेंट को अधिक महत्व देना चाहिए। उन्होंने बेहतर शोध परिणामों के लिए उद्योगों और संस्थानों के बीच संबंधों को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

आज चंडीगढ़ में पंजाब विश्वविद्यालय के 69वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमें केवल उसी से संतुष्ट नहीं होना चाहिए, जो हमने हासिल किया है। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय को सामान्य स्तर से उठकर विश्व स्तर के शीर्ष दस विश्वविद्यालयों में रैंक हासिल करने की दिशा में काम करने के लिए प्रेरित किया।

नायडु ने विश्वविद्यालयों से कहा कि वे अपने संस्थानों में ऐसा वातावरण तैयार करें जिसमें शिक्षकों का निरंतर व्यावसायिक विकास हो सके। उन्होंने संकाय सदस्यों से अभूतपूर्व अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा।

इस बात पर बल देते हुए कि पथ-प्रवर्तक नवाचारों और अत्याधुनिक अनुसंधानों के माध्यम से विश्वविद्यालयों को ज्ञान क्रांति में सबसे आगे होना चाहिए उपराष्ट्रपति ने कहा कि विश्वविद्यालयों और सरकार के बीच घनिष्ठ संपर्क होना चाहिए ताकि अधिक सशक्त नीतियां तैयार की जा सकें।

उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सभी के लिए सुलभ और वहनीय बनाने का आह्वान करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि ऐसी शिक्षा से व्यक्ति के निजी दृष्टिकोण, सामाजिक सामंजस्य और समावेशी राष्ट्रीय विकास में सकारात्मक परिवर्तन आएगा। उन्होंने कहा, हमारे सपनों का नया भारत आकांक्षाओं और नई दक्षताओं पर आधारित होगा। यह हमारे द्वारा अपनी कक्षाओं में दिए जाने वाले ज्ञान, कौशल और दृष्टिकोण तथा हमारी कार्यशालाओं और प्रयोगशालाओं में हमारे द्वारा प्रोत्साहित किए जाने वाले नवाचारों के आधार पर निर्मित होगा।

इस बात पर जोर देते हुए कि शिक्षा को हमारे इस ग्रह को देखने के तरीके और अपने साथी मनुष्यों के साथ बातचीत करने के तरीके को परिवर्तित करना चाहिए उपराष्ट्रपति ने कहा कि हमारा जीवन गुरु नानक देवजी के पांच गुणों से प्रकाशित होना चाहिए अर्थात् - सत (ईमानदार, सच्चा व्यवहार), संतोख (संतोष), दया (करुणा), निम्रता (विनम्रता) और प्यार (प्रेम)। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि ये सिद्धांत हमें बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करते रहेंगे।

उपराष्ट्रपति ने छात्रों से कहा कि वे दुनिया को बदलने के लिए अपने ज्ञान का उपयोग करें और एक राष्ट्र के रूप में हमारे सामने आने वाली कई चुनौतियों का समाधान करने के लिए सक्रिय रूप से काम करें। उन्होंने कहा, उच्च लक्ष्य रखें, खुद को अपने उज्ज्वल भविष्य और अपने राष्ट्र के निर्माण के लिए समर्पित करें। उसके बाद सफलता और संतृप्ति मिलेगी।

भारतीय शिक्षा का भारतीयकरण करने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की प्रशंसा करते हुए, नायडु ने प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में प्रदान करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने यह इच्छा भी व्यक्त की कि लोक भाषाओं को प्रशासन, अदालतों और विधायिकाओं की भाषा के रूप में इस्तेमाल किया जाए।

भारत के जनसांख्यिकीय लाभांश का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि सही शिक्षा और प्रोत्साहन से हमारे युवा किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश को गौरवान्वित कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से एक नए भारत, एक समृद्ध भारत, एक खुशहाल और शांतिपूर्ण भारत के निर्माण के लिए काम करने का आह्वान किया। उन्होंने जोर देकर कहा, यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

शांति को प्रगति की पूर्व शर्त बताते हुए, नायडु ने सभी विश्वविद्यालयों से यह देखने का आह्वान किया कि परिसरों में शांति बनी रहे और छात्र अपना ध्यान अकादमिक उत्कृष्टता हासिल करने पर केंद्रित करें। उन्होंने समाज में एकता और सद्भाव के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इन मूल्यों को हमारे स्कूलों में कम उम्र से ही छात्रों में पैदा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 21वीं सदी में जाति, पंथ, धर्म और लिंग के विभाजन के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। हम सब एक देश, भारत के निवासी हैं।